अनुमोदित

2018 19

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – राजनीति शास्त्र

संकाय – समाज विज्ञान

(नियम, परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम)

03/5/2018

3.5.2018
(Arvind Shrivastava)

(Dr. DEEPIKA GUPTA)

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

एम.ए. – स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – राजनीतिविज्ञान

प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्नपत्र – प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन

अधिकतम अंक – 100 (आंतरिक मूल्यांकन–30) (बाह्य मूल्याकंन–70) | 5 क्रेडिट | उत्तीर्णांक – 40 (5 कक्षा प्रति सप्ताह)

आवश्यकता – भारतीय परंपरा के गहन विश्लेषण एवं अध्ययन पर विद्यार्थी की समझ विकसित करने के लिए इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा रखी गई है, जिससे विद्यार्थी अपने मूल विचारों के प्रकाश में अपनी गौरवशाली संस्कृति को पहचान सके।

उददेश्य – प्रश्न–पत्र का उददेश्य विद्यार्थी को भारतीय राजनीतिक चिंतन की विभिन्न धाराओं, आयामों, चिन्तकों, संस्थाओं तथा प्रशासन की प्रविधियों से परिचित कराना है।

इकाई प्रथम
1 प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन के स्त्रोत
2 प्राचीन भारतीय राजनीतिक संस्थाऐं– सिद्धांत एवं प्रकृति

इकाई द्वितीय
1 प्राचीन भारतीय शासन–प्रशासन का स्वरूप
2 वैदिक राजनीतिक संस्थायें

इकाई तृतीय
1 महाकाव्यों में राजा एवं राजधर्म
2 मनु का राजनीतिक चिंतन– राज्य एवं प्रशासन

इकाई चतुर्थ
1 कौटिल्य का अर्थशास्त्र – सप्तांग सिद्धांत व मण्डल सिद्धांत
2 शुक्रनीति में राजनीतिक व्यवस्था

इकाई पंचम
1 याज्ञवल्क्य एवं कामन्दक का राजनीतिक चिंतन
2 संस्कृत साहित्य में राजनीतिक तत्व–कालिदास, भास, शूद्रक, भवभूति, दण्डी (सामान्य परिचय)

Scanned by CamScanner

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. राजनीतिक चिंतन का इतिहास – डी.एस.यादव, डिस्कवरी प्रकाशन
2. एंसीएण्ट इण्डियन सोशल एण्ड पोलिटिकल थाट – संजय नरूला, डिस्कवरी पब्लिकेशन.
3. प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ – डॉ नेगी / डॉ हरिश्चंद्र शर्मा, डिस्कवरी प्रकाशन
4. नीतिसार – कामन्दक
5. याज्ञवल्क्य स्मृति – डॉ.उमेशचंद्र पाण्डेय
6. शुक्रनीति – द्राविड़ राजशेखर शास्त्री
7. कौटिल्य राज्यशास्त्र – मीनाक्षी जोशी
8. बाल्मीकि रामायण – गीताप्रेस गोरखपुर
9. महाभारत में राजधर्म – मिश्र, कौशलकिशोर
10. वेदों में राष्ट्र का स्वरूप – जातवेद त्रिपाठी
11. वेद वर्णित भारतीय समाज – इंदिरा कुमार
12. ब्राह्मण ग्रंथों के राजनीतिक सिद्धांत – आचार्य बलवीर
13. राजतरंगिणी – कल्हण,
14. प्राचीन संस्कृत वांङमय में राजधर्म का स्वरूप – केदार शर्मा
15. मनुस्मृति में राज्य सुशासन– प्रो. कौशल किशोर मिश्रा
16. कामन्दकीय नीतिसार में राज्यव्यवस्था एवं सुशासन– प्रो. कौशल किशोर मिश्रा
17. भारतीय राजनीतिक चिंतक– डॉ. विप्लव
18. राजनीतिक इतिहास तथा संस्थाएँ – डॉ. सुस्मिता पाण्डेय

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

एम.ए. – स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – राजनीतिविज्ञान

प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्नपत्र – पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन

अधिकतम अंक – 100
(आंतरिक मूल्यांकन–30)
(बाह्य मूल्याकंन–70)

5 क्रेडिट

उत्तीर्णांक – 40
(5 कक्षा प्रति सप्ताह)

आवश्यकता – किसी भी विषय के सम्रग अध्ययन के लिए अपनी परपरा एव विचारधाराओं के साथ पश्चिमी विद्वानों के विचारों और सिद्धातों का अध्ययन भी आवश्यक है।

उददेश्य – प्रस्तुत प्रश्न–पत्र का उददेश्य विद्यार्थी को यूनानी, रोमन तथा परवर्ती पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन की परम्परा तथा विचार श्रृंखला से परिचित कराना है।

इकाई प्रथम
1. यूनानी राजनीतिक चिंतन
(क) प्लेटो
(ख) अरस्तू

इकाई द्वितीय रोमन राजनीतिक चिंतन, थॉमस एक्वीनास, सिसरो

इकाई तृतीय सामाजिक संविदावादी चिंतन– हॉब्स, लॉक, रूसो

इकाई चतुर्थ आधुनिकतावादी विचारक– मैकियावली

इकाई पंचम परवर्ती पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन–हीगल, बेन्थम, जे.एस. मिल, ग्रीन, हर्बर्ट स्पेंसर

Scanned by CamScanner

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. यूनानी राजनीति सिद्धांत – सर अर्नेस्ट वार्कर, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, 1988
2. राजनीतिक विचार और विचारधाराएँ – मलफर्ड क्यू. सिबली, राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, 1999
3. राजनीतिक चिंतक के आचार्य – माइकेल बी.फोस्टर, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, 1994
4. ए हिस्ट्री ऑफ पोलिटिकल थाट : प्लाटो टू मार्स – मुखर्जी एण्ड रामास्वामी
5. वेस्टर्न पोलिटिकल थाट – गिरीश मल्होत्रा
6. प्रमुख राजनीतिक विचारक – डी.एस.यादव
7. राजनीतिक विचारक और विचारधाराऐ
8. यूनानी राजनीतिक चिंतन – डॉ.प्रभुदत्त शर्मा
9. पाश्चात्य राजनीतिक विचारक –डॉ. महेंद्र मिश्रा
10. पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास– डॉ. के.एन.वर्मा

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

एम.ए. – स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – राजनीतिविज्ञान

प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्नपत्र – भारतीय सांविधानिक व्यवस्था

अधिकतम अंक – 100
(आंतरिक मूल्यांकन–30)
(बाह्य मूल्याकंन–70)

5 क्रेडिट

उत्तीर्णांक – 40
(5 कक्षा प्रति सप्ताह)

आवश्यकता – भारतीय संविधान एवं उसमें उपबंधित विभिन्न नियमों, संस्थाओं, कानूनों आदि को विद्यार्थी के समझ अधिक स्पष्ट रूप में प्रस्तुत करने के लिए यह पाठ्यक्रम निर्मित किया गया है।

उददेश्य – प्रस्तुत प्रश्न–पत्र का उददेश्य विद्यार्थी को भारतीय संविधान के निर्माण की पृष्ठभूमि, संविधान सभा के विमर्श, प्रमुख सांविधानिक संरचनाओं तथा संस्थाओं की प्रक्रियाओं से परिचित कराना है।

इकाई प्रथम भारतीय संविधान के निर्माण की पृष्ठभूमि एवं विमर्श

इकाई द्वितीय भारतीय संविधान की प्रकृति एवं विशेषताएं
भारतीय संघवाद

इकाई तृतीय मौलिक अधिकार, राज्य के नीति निर्देशक तत्व, मौलिक कर्तव्य
संघीय विधायिका (लोकसभा, राज्यसभा, पारस्परिक संबंध)

इकाई चतुर्थ संघीय कार्यपालिका (राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मंत्रीमंडल)
न्यायपालिकाः उच्चतम न्यायालय, न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायिक सक्रियता, जनहित याचिका, न्यायिक सुधार

इकाई पंचम संवैधानिक निकाय– निर्वाचन आयोग, लोक सेवा आयोग
संविधान संशोधन एवं समीक्षा

Scanned by CamScanner

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. भारत का संविधान – सुभाष कश्यप
2. भारत का संविधान : एक परिचय – शर्मा
3. इंट्रोडक्शन टू द कॉन्स्टीट्यूशन ऑफ इण्डिया – शर्मा
4. भारतीय प्रशासन (हरि.सा.अ.ह.) – डॉ.सरला मलिक
5. संविधान और सरकार – सुरेंद्र कुमार शर्मा
6. प्रशासनिक संस्थाएँ – डॉ.हरिश्चंद्र शर्मा
7. भारतीय संविधान –डॉ.आर.एन.त्रिवेदी एवं डॉ.एम.पी.राय
8. भारत का राजनैतिक एवं संवैधानिक इतिहास– डॉ. हरिशचंद्र शर्मा, डॉ. राकेश काला
9. संसदीय लोकतंत्र का इतिहास – डॉ. सुभाष कश्यप

3-5-18

Scanned by CamScanner

अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय, भोपाल

एम.ए. – स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

विषय – राजनीतिविज्ञान

प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्नपत्र – अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक सिद्धांत एवं सम्बंध

अधिकतम अंक – 100
(आंतरिक मूल्यांकन–30)
(बाह्य मूल्याकंन–70)

5 क्रेडिट

उत्तीर्णांक – 40
(5 कक्षा प्रति सप्ताह)

आवश्यकता – प्रस्तुत प्रश्न पत्र के द्वारा विद्यार्थी वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य को समझते हुए, उससे जुडे विभिन्न सिद्धांत एवं व्यावहारिक पक्षों पर विश्लेषणात्मक दृष्टि विकसित कर सकेंगे।

उददेश्य – प्रस्तुत प्रश्न–पत्र का उददेश्य विद्यार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धातों एवं सम्बन्धों की स्थापित प्रक्रिया के साथ–साथ नई चुनौतियों के बारे में जानकारी प्रदान करना है।

इकाई प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिः अर्थ, प्रकृति एवं अध्ययन उपागम

इकाई द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय संबंध के सिद्धांत–
यथार्थवादी
आदर्शवादी
वैज्ञानिक
मार्क्सवादी
उदारवादी

इकाई तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं संबंध की प्रमुख अवधारणायें–
भू राजनीतिक
राष्ट्रीयहित
राष्ट्रीय शक्ति
विचारधारात्मक
अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के समकालीन आयाम–
उदारवाद
वैश्विकरण
बहुध्रुवीयता

इकाई चतुर्थ अन्तर्राष्ट्रीय संगठन, संयुक्त राष्ट्र, सार्क, आशियान, यूरोपीय संघ–
निःशस्त्रीकरण एवं आयुध नियंत्रण

इकाई पंचम पारम्परिक एवं आधुनिक सुरक्षा चुनौतियाँ
लोकतंत्र एवं पर्यावरण की राजनीति

Scanned by CamScanner

संदर्भ ग्रंथ सूची –

1. बदलती दुनिया में भारत की विदेश नीति (1987–2008) – वी.पी.दत्त, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, 2003
2. स्वतंत्र भारत की विदेश नीति – वी.पी.दत्त, नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया, नई दिल्ली, 2006
3. अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत एक परिचय – अजय कुमार, पियरसन, नई दिल्ली, 2011
4. संयुक्त राष्ट्र संघ सैद्धांतिक और व्यावहारिक पक्ष – नीना शिरीष, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय दिल्ली विश्वविद्यालय, 2004
5. संयुक्त राष्ट्र संघ का चार्टर और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का संविधान – शर्मा
6. भारतीय विदेश नीति – यू.आर.घई / के.के.घई, न्यू एकेडेमिक पब्लिशिंग कम्पनी, 2011
7. भारत और अंतर्राष्टीय संबंध – डॉ.रामदेव भारद्वाज
8. संयुक्त राष्ट्र संघ और भारत – डी.एस.यादव
9. वैश्विक राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संगठन – विनोद कुमार पाल
10. अंतर्राष्ट्रीय राजनीति – डॉ.मथुरालाल शर्मा / शशी के जैन
11. अंतर्राष्ट्रीय संबंध(1915 से अब तक) – डॉ.मथुरालाल शर्मा
12. अंतर्राष्ट्रीय संबंध(1915 से 1945 तक) – डॉ.मथुरालाल शर्मा
13. अंतर्राष्ट्रीय संबंध(1945 से अब तक) – डॉ.मथुरालाल शर्मा
14. अंतर्राष्ट्रीय कानून – डॉ.रमेश दुबे / डॉ हरिश्चंद्र शर्मा
15. अंतर्राष्ट्रीय संगठन – डॉ.प्रभुदत्त शर्मा
16. इंटरनेशनल रिलेशन – घोष
17. इंटरनेशनल रिलेशन – गिरीश मल्होत्रा
18. इण्डिया प्रोफाइल इन पोलीसेंटर वर्ल्ड आर्डर – माथुर, आन्नद, मीना, सोहनलाल
19. करेन्ट एण्ड कोंटेमपोरारी इश्यू इन द न्यू वर्ल्ड आर्डर – एड जैन, बी.एम. मजूमदार, ए.के.
20. इंटरनेशनल सिस्टम एण्ड ग्रेट पावर रिलेशनशिप – डॉ. बी.एम. जैन

Scanned by CamScanner